न्यूनतम मजदूरी अधिनियम–1948 के अन्तर्गत 59 अनुसूचित नियोजनों में देय परिवर्तनीय मंहगाई भत्ता

न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत राजाज्ञा सं0 401/36–3–06–7(न्यू0 वे0)/04 दिनांक 24.02.2006 से मजदूरी की मूल दरों एवं परिवर्तनीय महंगाई भत्ते का निर्धारण किया गया है। मजदूरी दरें मासिक आधार पर निकाली गई हैं, जिसकी दैनिक दर, मूल मजदूरी और परिवर्तनीय महंगाई भत्ते के योग के 1/26 से कम न होगी। उक्त के अनुक्रम में निम्नांकित 59 नियोजनों में नियोजित कर्मचारियों को अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधार (1982=100) के 522 अंको के ऊपर जनवरी 2012 से जून 2012 के औसत 999 (नौ सौ उनतालिस मात्र) पर दिनांक 01.10.2012 से दिनांक 31.03.2013 तक तथा जुलाई 2012 से दिसम्बर 2012 के औसत 999 (नौ सौ निन्यानबे मात्र) पर दिनांक 01.04.2013 से दिनांक 30.09.2013 तक परिवर्तनीय मंहगाई भत्ता निम्नलिखित दृष्टान्त की भाँति गणना करके देय है :–

दृष्टांत :– रूपयें 2600.00 प्रतिमाह मजदूरी पाने वाले अकुशल श्रेणी के कर्मचारियों को औसत मूल्य सूचकांक 999 पर दिनांक जुलाई 2012 से दिसम्बर 2012 के औसत 999 (नौ सौ निन्यानबे मात्र) पर दिनांक 01.04.2013 से दिनांक 30.09.2013 तक देय परिवर्तनीय मंहगाई भत्ता निम्नलिखित होगा :–

$$\frac{(999-522)}{522} \times 2600 = \text{रू0 } 2375.86 \text{ प्रतिमाह}$$

विभिन्न श्रेणी के कर्मचारियों को देय प्रति माह परिवर्तनीय मंहगाई भत्ते/मासिक मजदूरी/दैनिक मजदूरी की दरें निम्नवत् है :–

क्र0	श्रेणी	निर्धारित प्रतिमाह मजदूरी (रूपये में)	प्रतिमाह परिवर्तनीय मंहगाई भत्ता (रूपयें में)		प्रतिमाह कुल मजदूरी (रूपयें में) दि0 1.4.13 से 30.9.13 तक	दैनिक मजदूरी दरें (रूपयें में) दि0 1.4.13 से 30.9.13 तक
			दि0 01.10.2012 से 31.03.2013 तक	दि0 01.04.2013 से 30.09.2013 तक		
1	2	3	4	5	6	7
1	अकुशल	2600.00	2077.01	2375.86	4975.86	191.38
2	अर्द्ध कुशल	2964.00	2367.79	2708.48	5672.48	218.17
3	कुशल	3290.00	2628.22	3006.38	6296.38	242.17

नियोजनों के नाम :–

1. रबर की विनिर्माणशाला और रबर उत्पाद (टायर और ट्यूब सहित) के उद्योग।
2. प्लास्टिक उद्योग और प्लास्टिक उत्पाद के उद्योग।
3. सिठान उद्योग।
4. वासित पेयों (एरेटेड ड्रिंक्स) के विनिर्माण।
5. फलों के रसों की विनिर्माणशाला।
6. परतदार लकड़ी (प्लाईवुड) के उद्योग।
7. पेट्रोल और डीजल आयेल पम्प।
8. डेरी और मिल्क डेरी।
9. सिले सिलाये कपड़ों की विनिर्माणशाला।
10. बाँध तटबन्ध के निर्माण और अनुरक्षण, सिंचाई परियोजनाओं कुओं और तालाबों की खुदाई।
11. उन समस्त रजिस्ट्रीकृत कारखानों में नियोजन, जिनका उल्लेख पहले नही किया गया है ।
12. प्राइवेट क्लीनिकों और प्राइवेट डाक्टरी सामान की दुकानों।
13. ढलाई घर।
14. धातु उद्योग।
15. टिन प्लेट शेपिंग और टिन प्रिंटिंग।
16. ऐसे अभियन्त्रण उद्योग जिसमें 50 से कम व्यक्ति नियोजित हों ।
17. चर्म शोधनशाला और चर्म विनिर्माण शाला।
18. चर्म वस्तु विनिर्माण उद्योग।
19. होजरी संकर्म।
20. निजी पुस्तकालय।
21. काष्ठ संकर्म और फर्नीचर उद्योग।
22. प्राईवेट कोचिंग कक्षाओं प्राइवेट विद्यालयों, जिनमें नर्सरी स्कूल और निजी प्राविधिक संस्थाऐं भी सम्मिलित हैं।
23. तम्बाकू विनिर्माण।
24. धर्मशाला।
25. वानिकी (फारेस्ट्री) लट्ठा बनाने और काष्ठ कार्य, जिसके अन्तर्गत किसी अन्य बन उपज का संग्रहण और उसे मण्डी में ले जाना भी है।
26. दुकान।
27. वाणिज्य अधिष्ठान।
28. चावल मिल, आटा मिल या दाल मिल।
29. तेल मिल।

30. लोक मोटर परिवहन।
31. यांत्रिक परिवहन कर्मशाला।
32. आटोमोबाइल रिपेयर्स कर्मशाला।
33. सड़कों के निर्माण या उन्हें बनाये रखने या निर्माण सक्रियाओं।
34. पत्थर तोड़ने या पत्थर कूटने।
35. दियासलाई उद्योग।
36. आइसकैण्डी / आइसक्रीम विनिर्माणशाला।
37. बर्फ विनिर्माणशाला।
38. एस्बेस्टस सीमेन्ट कारखानों और अन्य सीमेन्ट उत्पाद विनिर्माणशाला।
39. लाण्ड्री और धुलाई अधिष्ठान।
40. बेकरी और बिस्कुट विनिर्माणशाला।
41. चिकन के कार्य।
42. जिल्दसाजी।
43. कोल्ड स्टोरेज।
44. पाटरी, सिरेमिक्स या रिफैक्ट्रीज।
45. निजी मुद्रणालय।
46. सिनेमा उद्योग।
47. कपड़ा छपाई।
48. सिलाई उद्योग।
49. एलोपैथिक, आयुर्वेदिक, यूनानी फार्मेसी।
50. क्लब।
51. हथकरघा (सिल्क की साड़ी की बुनाई) जरी के कार्य।
52. कपड़ा धोने या प्रसाधन के साबुन या सिलिकेट या साबुन का चूर्ण या प्रक्षालक विनिर्माण।
53. ऊनी कम्बल बनाने के अधिष्ठान।
54. खाण्डसारी।
55. हथकरघा उद्योग।
56. शक्ति चालित करघा उद्योग।
57. छोटा (मिनिएचर) बल्ब एवम् काँच उत्पादों के निर्माण।
58. कागज, गत्ता और पेपर बोर्ड उद्योग।
59. ईंट भट्ठा उद्योग।

(यू0पी0सिंह)
उप श्रम आयुक्त, उत्तर प्रदेश,
कृते श्रम आयुक्त,उत्तर प्रदेश।

कार्यालय श्रम आयुक्त, उत्तर प्रदेश, जी0 टी0 रोड, कानपुर ।

पत्र सं0– 1021-26 /प्रवर्तन0– (म0 भत्ता) /13 दिनांक 01.04. 2013
प्रतिलिपि :–

1. समस्त क्षेत्रीय अपर /उप श्रम आयुक्त, उ0प्र0, को इस आशय से प्रेषित कि अधीनस्थ अधिकारियों को अवगत करायें तथा श्रमिकों, सेवायोजकों व उनके प्रतिनिधियों द्वारा माँगे जाने पर उपलब्ध करायें।
2. अनुसचिव उ0प्र0 शासन, श्रम अनुभाग–3, लखनऊ ।
3. सहायक निदेशक, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय (वेज सेल) भारत सरकार नई दिल्ली को ।
4. विकास आयुक्त नोएडा विशेष आर्थिक क्षेत्र।
5. अधिशासी निदेशक उद्योग बंधु लखनऊ।
6. अपर श्रमायुक्त, (नजारत) को नोटिस बोर्ड पर चस्पा करने हेतु।
7. अपर श्रमायुक्त, (आई0आर0), मुख्यालय।
8. अपर श्रमायुक्त, (कम्प्यूटर), मुख्यालय को समस्त क्षेत्रीय अपर/उप श्रम आयुक्त एवं सहायक निदेशक, भारत सरकार को ई–मेल के माध्यम से प्रेषित कराने तथा विभागीय वेबसाइट पर अपलोड कराने हेतु।
9. उप श्रमायुक्त (पुस्तकालय), मुख्यालय को सूचनार्थ/अभिलेखार्थ प्रेषित।
10. विभिन्न दैनिक समाचार–पत्रों को जनहित में निःशुल्क प्रकाशनार्थ ।

(यू0पी0सिंह) 1/4/2013
उप श्रम आयुक्त, उत्तर प्रदेश,
कृते श्रम आयुक्त,उत्तर प्रदेश।